अमेरिका में सीएए विरोधी प्रदर्शन में घुसे पाक समर्थक

प्रदर्शन

आयोजक का कहना है कि उनके पोस्टरों में भारत के विरोध में नारे लिखे थे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता अदपा प्रसाद ने दावा किया कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी घुस गए। भारतीय मूल के नेता का कहना है कि पाक समर्थक तत्व अपने गुप्त अजेंडा को चलाने के लिए जबरन घुस दए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वॉशिंगटन डीसी में हाल ही में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन हुआ था। प्रदर्शन के दौरान दिख रहे पोस्टरों से यह साफ हो रहा था कि प्रदर्शनकारियों के बीच पाकिस्तान समर्थित तत्व मौजूद हैं।

कश्मीरी अलगाववादी प्रदर्शनकारी पहुंचेः भारतीय–अमेरिकी समुदाय के नेता अदपा प्रसाद ने दावा किया कि कम से कम दो पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी व्यक्ति सीएए विरोधी प्रदर्शन के मुख्य आयोजकों में शामिल थे। पिछले साल दिसंबर में भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच सीएए लागू हो गया। प्रसाद ने बताया, 'वाशिंगटन डीसी में कश्मीरी अलगाववादी प्रदर्शन के समन्वयक रह चुके पाकिस्तानी–अमेरिकी कार्यकर्ता दरख्शां राजा और पाकिस्तान–अमेरिकी मुस्लिम कार्यकर्ता खुदाई तनवीर यहां सीएए के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित करने वालों में शामिल थे।'

नई ब्रेक्जिट डील को ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने बताया ब्रिटेन के लिए बेहतरीन सौदा

पाकिस्तानी और खालिस्तान समर्थकों के घुसने का दावाः प्रसाद और उनकी टीम ने सीएए विरोधी प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इस प्रदर्शन में 500 से ज्यादा भारतीय–अमेरिकी ने हिस्सा लिया। प्रसाद ने दावा किया कि इनमें से एक पोस्टर में उर्दू में लिखा था, 'हंस के लिया है पाकिस्तान, लड़के लेंगे हिंदुस्तान।'

खालिस्तान समर्थकों के घुसने का भी शकः सीएए विरोधी प्रदर्श के आयोजककर्ता ने कहा कि यह बहुत बुरी बात है कि आईएसआई समर्थित और पाकिस्तान समर्थित तत्व इस प्रदर्शन का इस्तेमाल अपने अजेंडे के लिए कर रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि इस प्रदर्शन का इस्तेमाल खालिस्तान समर्थक लोग भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा 'खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता अर्जुन सेठी भी सीएए विरोध रैली के आयोजकों में से एक था।'

न्यूज डायरी

सिंध में एक और हिंदू मंदिर पर भीड़ का हमला, मूर्ति को नुकसान पहुंचाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिंध। पाकिस्तान में हिंदू और अन्य धर्म स्थलों को नुकसान पहुंचाने का सिलसिला थम नहीं रहा। सिंध में एक मंदिर पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया और तोड़फोड़ की। प्रधानमंत्री इमरान खान आए दिन कश्मीर को लेकर भारत सरकार पर निशाना साधते रहते हैं जबकि खुद उनके देश में अल्पसंख्यकों के साथ उत्पीड़न की खबरें कम होती नहीं दिख रही हैं। कुछ दिन पहले ही ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हुई पत्थरबाजी की निंदा पूरे विश्व में हुई थी। अब इससे पहले सितंबर महीने में भी सिंध में ही एक और हिंदू मंदिर में कट्टरपंथियों ने तोड़फोड़ की थी। पत्रकार नायला इनायत ने घटना की तस्वीरें शेयर करते हुए ट्वीट किया, शसिंध में अब एक और हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई। थारपरकर के चाचरो में भीड़ ने माता रानी भातियानी मंदिर में पवित्र मूर्ति और ग्रंथों को नुकसान पहुंचाया।

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे वाले इलाके में यात्री विमान हादसे का शिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान की आरियाना एयरलाइंस का एक यात्री विमान सोमवार को गजनी प्रांत में तालिबान के कब्जे वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता आरिफ नूरी ने बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजकर करीब 10 मिनट पर देह याक जिघ्ले में हादसे का शिकार हुआ। यह इलाका तालिबान के कब्जे में है। प्रांतीय परिषद के दो सदस्यों ने भी विमान के दर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की।गजनी प्रांत की पहाड़ियां हिंदूकुश पर्वतों की तलहटी में पड़ती हैं और वहां सर्दियों में जबर्दस्त ठंड पड़ती है। इससे पहले साल 2005 में अफगानिस्तान में विमान हादसे का शिकार हुआ था। तब काम एयर की पश्चिमी हेरात से राजधानी जा रही उड़ान पहाड़ों में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। देश में हुए युद्ध में कई विमान हादसे का शिकार हुए हैं।

सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले अजाज में कार बम विस्फोट में सात की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरुत। उत्तर पश्चिमी सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले एक शहर में रविवार को एक कार में हुए बम विस्फोट की चपेट में आकर कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। युद्ध पर नजर रखने वाले एक संगठन ने यह जानकारी दी। 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने कहा कि अलेप्पो प्रांत में स्थित अजाज में हुए कार बम विस्फोट में 20 से अधिक अन्य घायल हो गए।इस क्षेत्र पर तुर्की का प्रभाव है।ब्रिटेन स्थित संगठन ने बताया कि कार बम हमले में कई रेस्तरां के पास स्थित एक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र को निशाना बनाया गया। यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमले के पीछे कौन है और हताहत होने वाले सभी लोग क्या आम नागरिक हैं।उत्तरी सीरिया के विद्रोहियों के कब्जे वाले हिस्से में अक्सर कार बम हमले और विस्फोट होते रहते हैं।

बोलिविया की राष्ट्रपति ने सभी मंत्रियों से मांगा इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ला पाज। बोलिविया की अंतरिम राष्ट्रपति जीनिन अंज ने आम चुनाव से करीब तीन महीने पहले अपने सभी मंत्रियों से इस्तीफा मांग लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई। देश में तीन मई को राष्ट्रपति चुनाव होने है। कार्यालय ने कहा, 'अंज ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के लिए सभी मंत्रियों से इस्तीफा मांगने का निर्णय लिया है।' बयान में कहा गया कि चुनावी चक्र में इस तरह के बदलाव आम है।

अंज के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी उम्मीदवारी पेश करने के निर्णय के खिलाफ संचार मंत्री रोक्सना लिजाररगा के इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद यह खबर आई है। अंज ने 12 नवम्बर को अंतरिम राष्ट्रपति का कार्यभार संभालते समय कहा था कि हमेशा के लिए इस पद पर काबिज रहने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। शुक्रवार को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर उन्होंने सबको चौंका दिया था।

चीन में हाथ मिलाने पर भी रोक अब तक 80 से ज्यादा मौतें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग/शंघाई। चीन में फैले जानलेवा करोना वायरस से अब और ज्यादा खतरनाक रूप लेता जा रहा है और इसका फैलना लगातार जारी है। चीन के स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे बेहद खतरनाक श्रेणी में रख रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस बीमारी में लक्षण नहीं दिखते हैं और यह लोगों को अपनी जकड़ में ले ले रहा है। चीन में खौफ का आलम ये है कि वुहान में लोगों को उनके घरों में श्कैदश कर दिया गया है और इस शहर से किसी के निकलने की अनुमति तक नहीं है। पेइचिंग ने लोगों को एक–दूसरे से हाथ न मिलाने की सलाह दी है। बता दें कि चीन में अब तक इस बीमारी से 80 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। दुनियाभर की स्वास्थ्य एजेंसियां चीन के बाहर थाइलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और फ्रांस तक पहुंच चुके इस वायरस को रोकने के लिए जीतोड़ कोशिश में लगी हुईं हैं।

इस अनजान नए वायरस से पूरी दुनिया सतर्क हो गई है। सबसे खतरनाक बात तो यह है कि स्वास्थ्य एजेंसियों को इसके फैलने के तरीके बारे तक में भी पता नहीं है। इस बीमारी के कारण न्यूमोनिया हो सकता है जो कुछ मामलों में बेहद खतरनाक है। चीन ने स्वास्थ्य मंत्री मा शीहावे ने बताया कि इस वायरस का असर 14 दिन तक का है।

प्रिंस हैरी और मेगन के लिए चिंतित है पैलेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के शाही घराने में जारी घमासान रॉयल कपल प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल के शाही पद छोड़ने के साथ खत्म होता नजर आ रहा था। अब खबरों के अनुसार, शाही घराने के सदस्य हैरी और मेगन को मनाने की तैयारी में जुटे हैं। वरिष्ठ सदस्य हैरी और मेगन को शाही दायित्वों को निभाए बिना ब्रिटेन लौटने के लिए तैयार करने की कोशिश कर सकते हैं। हैरी और मेगन ने घर के बाहर पपराजी की भीड़ को लेकर नाराजगी जताई थी।

मिशेल ओबामा को ऑडियो बुक बिकमिंग के लिए मिला ग्रैमी पुरस्कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लास एंजिलिस। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने अपनी ऑडियो बुक बिकमिंग के लिए ग्रैमी पुरस्कार अपने नाम किया। लास एंजिलिस में रविवार को आयोजित 2020 ग्रैमी के पूर्व समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। बिकमिंग में मिशेल ओबामा ने अपने जीवन और बतौर प्रथम महिला वाइट हाउस में बिताए अनुभवों को साझा किया है।

बराक ओबामा को भी मिल चुका है ग्रैमीः इससे पहले उनके पति और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को इसी श्रेणी में 2006 में 'ड्रीम्स फ्रॉम माई फादर' और 2008 में 'द ऑडेसिटी ऑफ होप' के लिए ग्रैमी मिल चुका है। मिशेल ने किताब में खुलकर अपने जीवन पक्षों को साझा किया है और अपने अनुभव शेयर किए हैं। कई आलोचकों ने उनके किताब की सराहना करते हुए इसकी ईमानदारी के लिए सराहना की है।

डॉनल्ड ट्रंप पर मिशेल ने साधा था निशानाः 2018 के आखिरी में अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला की किताब लॉन्च हुई थी। किताब में ट्रंप की उन्होंने तीखी आलोचना की है। ट्रंप ने ओबामा की नागरिकता और दूसरे देश में पैदा होने को लेकर सवाल उठाए थे।

■किताब में मिशेल ने अपनी जीवन यात्रा और वाइट हाउस में अनुभवों का जिक्र किया है

■2018 के आखिरी में आई मिशेल ओबामा की किताब काफी चर्चित रही है

मिशेल ने इन बयानों को संकीर्ण मानसिकता करार दिया। अपनी किताब में उन्होंने अपने गर्भपात के दर्दनाक अनुभव को भी साझा किया।

पाकिस्तान के लिए 2020 में विदेश मामले चुनौतीपूर्ण होंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी थिंक टैंक ने रविवार को कहा कि 2020 में पाकिस्तान के लिए विदेश मामले चुनौतीपूर्ण रहेंगे और भारत के साथ रिश्ते भी तल्ख बने रहेंगे। इस्लामाबाद पॉलिसी इंस्टीट्यूट ने अपनी रिपोर्ट ''पाकिस्तान आउटलुक 2020 रू पॉलिटिक्स, इकोनॉमी एंड सिक्युरिटीज'' में कहा कि भारत के साथ तनाव की वजह से पाकिस्तान का अधिकतर रणनीतिक और कूटनीतिक समय जाया होगा।'' पाकिस्तानी अखबार डॉन ने रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए कहा, '' अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया भी भविष्य में अनिश्चितता से घिरी रहेगी।'' रिपोर्ट में कहा गया, ''पाकिस्तान के लिए विदेश मामला 2020 में पूरे साल चुनौतीपूर्ण रहेगा जिसका गंभीर असर उसकी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता पर पड़ेगा।'' भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित तनाव की उच्च आशंका बनी रहेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल पांच अगस्त को भारत द्वारा जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के लिए अनुच्छेद–370 के अधिकतर प्रावधानों को निष्क्रिय किए जाने के बाद से दोनों देशों में तनाव है।